संकलित परीक्षा - II (2013-2014)

हिन्दी 'अ' [Set-B]

कक्षा - IX

निर्धारित समय : 3-3 ½ घण्टे अधिकतम अंक :100

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **पांच खंड हैं - क, ख, ग, घ और ड** ।

(2) **खंड -ड** मुक्त पाठ पर आधारित है।

(3) पांचों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(4) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड-क
(अपठित बोध)

1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5

ईश्वर तक जाने के कई रास्ते हैं, कई तरीके हैं और प्रार्थनाएँ हैं। मार्ग अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन लक्ष्य एक ही होता है। वह राम या कृष्ण हो, ईश्वर या अल्लाह, गॉड या जीसस, सभी एक ही खुदाई के अलग-अलग स्वरूप हैं। जो इस सच को जान जाता है उसे फर्क नहीं पड़ता कि वह ईश्वर को पूज रहा है या अल्लाह को, क्योंकि उस समय वह ऐसी परम ज्योति अथवा ऐसे परम स्वरूप से अभिन्न हो जाता है जो हर काल और हर स्वरूप में एक ही है। हमारे देश में अनेक सिद्ध साधु-संतों को भी ईश्वर का दर्जा दिया गया है। अजमेर शरीफ के ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती एक ऐसी ही परम्परा के संत हुए हैं जिन्हें हिंदू और मुसलमान दोनों बराबर का आदर देते हैं। अजमेर शरीफ की दरगाह का भारत में शायद वही मान्य है जो सऊदी अरब में मक्का और मदीना का। देश के सूफी संतों में इनका नाम बड़े आदर और सम्मान के साथ लिया जाता है।

1. ईश्वर, अल्ला, जीसस-नाम अलग हैं और उन्हें पाने के मार्ग -

(क) अनेक (ख) एक

(ग) अलग (घ) सरल

2. इस गद्यांश की शिक्षा है -

(क) ईश्वर प्राप्ति के लिए उसके रास्ते भी महत्वपूर्ण हैं।

(ख) इश्वर प्राप्ति के न रास्ते महत्वपूर्ण हैं न आप।

(ग) केवल ईश्वर को जानो, आडंबरों को नहीं।

(घ) सभी धर्म एक समान हैं।

3. ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह के महत्व में सम्मिलित नहीं है -

(क) हिंदू मुस्लिम दोनों के द्वारा आदर

(ख) मक्का मदीना के समान होना

(ग) मुस्लिम व ईसाई दोनों की सेवा

(घ) सिद्ध संतों के समान होना

4. धर्म का कौन सा रूप वर्तमान समाज की समस्याओं को सुलझा सकता है -

(क) धर्मनिरपेक्षता (ख) संकीर्णता

(ग) बाह्यडंबरता (घ) अभिन्नता में भिन्नता

5. "आदर" शब्द है -

(क) तत्सम (ख) तद्भव

(ग) देशज (घ) आगत

2 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर 5 लिखिए -

आनंद और प्रकाश का त्योहार है दीपावली। अज्ञान, अन्याय, अत्याचार और अंधकार के विरुद्ध ज्ञान, न्याय और प्रकाश की अभूतपूर्व विजय का त्योहार है। भारत में मनाए जाने वाले अन्य त्योहारों के समान इसे मुख्यत: ऋतु-परिवर्तन का सूचक त्योहार ही माना जाता है। इसके साथ कई और धार्मिक मान्यताएँ भी जुड़ी

हैं। कहते हैं, रावण जैसे अत्याचारी का नाश कर और चौदह वर्षों का कठिन वनवास काटकर मर्यादा-पुरुषोत्तम श्री राम इसी दिन अयोध्या लौटे थे। उनकी विजय एवं आगमन की खुशी के प्रतीक के रूप में अयोध्यावासियों ने नगर को घी के दीपों से जगमगा दिया था, प्रसन्नता के सूचक और आतिशबाजी का प्रदर्शन कर मिठाइयाँ बांटी - खाईं थीं। उसी दिन से रावण जैसे अन्यायी - अत्याचारी से मुक्ति मिलने की खुशी के प्रतीक के रूप में, यह दिन दीपावली के नाम से कार्तिक अमावस्या की रात सारे देश में धूम-धाम से मनाया जाता है।

1. दीपावली को प्रकाश पर्व क्यों कहा जाता है ?
   (क) दीपों के कारण
   (ख) उजाला फैलाने के कारण
   (ग) आनंद मनाने के कारण
   (घ) ज्ञान रूपी प्रकाश के कारण

2. दीपावली की विशिष्टताओं में सम्मिलित नहीं है -
   (क) ऋतु परिवर्तन (ख) धार्मिक
   (ग) सांस्कृतिक (घ) राष्ट्रीय

3. दीपावली मनाई जाती है -
   (क) आनंद के रूप में (ख) उत्सव के रूप में
   (ग) न्याय के रूप में (घ) विजय पर्व के रूप में

4. 'पुरुषोत्तम' शब्द में विग्रह व समास भेद है -
   (क) पुरुष जो उत्तम है (कर्मधारय)
   (ख) पुरुष और उत्तम (द्वन्द्व)
   (ग) पुरुषों में जो उत्तम है (कर्मधारय)
   (घ) पुरुषों के लिए उत्तम (संप्रदान तत्पुरुष)

5. 'अत्याचारी' शब्द में प्रत्यय है -
   (क) रि (ख) इ
   (ग) री (घ) ई

3 **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर दीजिए।** 5

हम शकारि विक्रमादित्य हैं अरिदल को दलने वाले,

रण में जमीं नहीं, दुश्मन की लाशों पर चलने वाले।

हम अर्जुन, हम भीम, शान्ति के लिए जगत में जीते हैं।

मगर, शत्रु हठ करे अगर तो, लहू वक्ष का पीते हैं।

हम हैं शिवा - प्रताप रोटियाँ भले घास की खायेंगे,

मगर किसी जुल्मी के आगे, मस्तक नहीं झुकायेंगे,

देंगे जान, नहीं ईमान,

जियो, जियो ऐ हिन्दुस्तान!

जियो, जियो ऐ देश! कि पहरे पर ही जगे हुए हैं हम।

वन, पर्वत, हर तरफ चौकसी में ही लगे हुए हैं हम।

हिन्दु-सिन्धु की कसम, कौन इस पर जहाज ला सकता है।

सरहद के भीतर कोई दुश्मन कैसे आ सकता है?

पर की हम कुछ नहीं चाहते, अपनी किन्तु, बचाएँगे,

जिसकी उँगली उठी, उसे हम यमपुर को पहुँचाएँगे।

हम प्रहरी यमराज-समान,

जियो, जियो ऐ हिन्दुस्तान!

1. भीम की विशेषता थी -

(क) शांतिप्रिय किंतु अन्यायी दुश्शासन का लहू पीने वाला।

(ख) स्वाभिमानी और अंधकारी।

(ग) शक्तिशाली और आलसी।

(घ) आवश्कता पड़ने पर हिंसावादी।

2. महाराणा प्रताप की विशेषताओं में सम्मिलित नहीं है -

(क) घास की रोटियाँ खाने वाले।

(ख) जुल्म के आगे हार न मानने वाले।

(ग) परोपकारी।

(घ) आतंक से डरने वाले।

3. भारतवासी क्या प्रतिज्ञा करते हैं?

(क) भारत देश के अंदर दुश्मन नहीं आने देंगे।

(ख) देश के बाहर के दुश्मनों को सजा देंगे।

(ग) शत्रुओं को जीवित नहीं छोड़ेंगे।

(घ) हमारे देश पर कोई अपना अधिकार नहीं कर सकता है।

4. प्रहरियों की तुलना की गई है –

(क) इन्द्रदेव से (ख) यमराज से

(ग) कामदेव से (घ) महादेव से

5. 'देंगे जान, नहीं ईमान, जियो, जियो ऐ हिन्दुस्तान' में अलंकार है –

(क) अनुप्रास (ख) उपमा

(ग) उत्प्रेक्षा (घ) रूपक

4 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर दीजिए।

उसे भी देख, जो भीतर भरा अंगार है साथी।

सियाही देखता है, देखता है तू अँधेरे को,

किरण को घेर कर छाये हुए विकराल घेरे को।

उसे भी देख, जो इस बाहरी तम को बहा सकती,

दबी तेरे लहू में रोशनी की धार है साथी।

पड़ी थी नींव तेरी चाँद-सूरज के उजाले पर,

तपस्या पर, लहू पर, आग पर, तलवार-भाले पर।

डरे तू ना उमीदी से, कभी यह हो नहीं सकता,

कि तुझ में ज्योति का अक्षय भरा भण्डार है साथी।

बवण्डर चीखता लौटा फिरा तूफान जाता है,

डराने के लिए तुझको नया भूडोल आता है;

नया मैदान है राही, गरजना है नये बल से;

उठा, इस बार वह जो आखिरी हुँकार है साथी!

विनय की रागिनी में बीन के ये तार बजते हैं,

रुदन बजता, सजग हो क्षोभ-हाहाकार बजते हैं।

बजा, इस बार दीपक-राग कोई आखिरी स्वर में

छिपा इस बीन में ही आग वाला तार है साथी।

1. 'लहू में रोशनी की धार है' का आशय है

(क) खून में रोशनी देने वाले कुछ तत्व हैं।

(ख) लहू की धार को देश पर न्यौछावर करना चाहिए।

(ग) लहू में समाज में अच्छाई फैलाने की ताकत होती है।

(घ) खून में बुराई के अंधेरे को दूर करने की ताकत होती है।

2. यदि हममें आत्मविश्वास भरा है तो हम क्या कर सकते हैं?

(क) भयंकर तूफान के प्रभाव को खत्म कर सकते हैं।

(ख) लोगों की उम्मीदों को पूरा कर सकते हैं।

(ग) अस्त्र-शस्त्र का प्रयोग करते हैं।

(घ) लोगों को डरा धमका सकते हैं।

3. विनय की रागिनी के स्थान पर आखिरी सुर में दीपक राग बजाने की प्रेरणा कवि क्यों दे रहे हैं?

(क) विनय से सब समस्याएँ नहीं सुलझतीं।

(ख) शत्रु के नाश के लिए अहिंसा को छोड़ हिंसा को अपनाओ।

(ग) कवि को दीपक राग अच्छा लगता है।

(घ) दीपक राग का आखिरी स्वर बड़ा मीठा है।

4. 'बवण्डर चीखता लौटा फिरा तूफान जाता है' पंक्ति में अलंकार है -

(क) मानवीकरण (ख) उपमा

(ग) रूपक (घ) यमक

5. इस कविता का उद्देश्य है -

(क) शत्रुओं को चेतावनी देना

(ख) विनय का महत्व बताना

(ग) देशवासियों में आत्मविश्वास भरना

(घ) हिंसा का महत्व बताना

खण्ड-ख
(व्यावहारिक व्याकरण)

5 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए -

(क) 'बेईमान' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'अन' उपसर्ग लगाकर एक शब्द बनाइए।
(ग) 'संचालिका' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय एवं मूल शब्द लिखिए।
(घ) 'नी' प्रत्यय लगाकर एक शब्द बनाइए।
निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए -
(i) रोगग्रस्त (ii) पुत्ररत्न (iii) दुपहिया

6 (i) अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों की पहचान करके उनके भेद लिखिए। 4
क. आपको जीवन में सदा सफलता मिले।
ख. उफ! पेट में बहुत दर्द हो रहा है।
(ii) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।
क. स्वामी जी ने शिकागो जाने का निश्चय किया। (संदेहवाचक में)
ख. कल हम मेला देखने जाएंगे। (निषेधवाचक में)

7 निम्नलिखित पद्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों की पहचान कर उनके नाम लिखिए। 4
(क) तब तो बहता समय शिला-सा जम जाएगा
(ख) रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून
पानी गए न ऊबरे, मोती, मानुष, चून
(ग) तरनि तनूजा तट-तमाल तरुवर बहु छाए
(घ) माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर
कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर

खण्ड - ग
(पाठ्य-पुस्तक)

8 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 5

जब मैं इस कविता को पढ़ता हूँ तो उस मैना की करुण मूर्ति अत्यंत साफ होकर सामने आ जाती है। कैसे मैंने उसे देखकर भी नहीं देखा और किस प्रकार कवि की आँखें उस बिचारी के मर्मस्थल तक पहुँच गईं, सोचता हूँ तो हैरान हो रहता हूँ। एक दिन वह मैना उड़ गई। सांयकाल कवि ने उसे नहीं देखा। जब वह अकेले जाया करती है उस डाल के कोने में, जब झींगुर अंधकार में झनकारता रहता है, जब हवा में बाँस के पत्ते झरझराते रहते हैं, पेड़ों की फाँक से पुकारा करता है नींद तोड़ने वाला संध्या तारा! कितना करुण है उसका गायब हो जाना।

(1) यहाँ 'मैं' का प्रयोग किसके लिए हुआ है ? उन्होंने किसे अनदेखा किया ?
(2) लेखक की हैरानी का क्या कारण था ?

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

9 (i) "एक कुत्ता और एक मैना" पाठ में निहित भावनाओं का विवेचन करते हुए बताइये कि इस पाठ में एक वाणीविहीन प्राणी की भी कौन-सी विशेषता का उल्लेख हुआ है? 2

9 (ii) महादेवी जी के व्यक्तित्व की कौन-सी बातें आपको सबसे अच्छी लगीं? बताइये। 2

9 (iii) मैना देवी की अन्तिम इच्छा क्या थी, जिसे क्यों नहीं पूरा किया गया? 2

9 (iv) लेखक के अनुसार प्रेमचंद द्वारा फोटो खिंचाने का क्या कारण रहा होगा? 2

9 (v) 'प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ में लेखक ने प्रेमचंद के विभिन्न उपन्यासों एवं कहानियों के उल्लेख द्वारा उनकी किस विशेषता की ओर ध्यान दिलाया है? 2

10 **निम्न पद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** 5

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली,
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

1. मेघों की तुलना किससे की गई है व क्यों ?
2. 'पाहुन' किसे कहते हैं ? उन्हें शहर का क्यों कहा गया है ?
3. खिड़कियाँ दरवाजे किसे देख कर खुलने लगे ?

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

11 (i) कविता की किस पंक्ति से अलसी को अभिमान होने का पता चलता है ? चंद्र गहना से लौटती बेर कविता के आधार पर बताइए। 2

(ii) किस प्रकार का आकर्षण इन बच्चों को शिक्षा की ओर खींच सकता है ? आस-पास के परिवेश के अनुरूप बताइए। 2

(iii) 'मेघ आए' कविता में गाँव की स्त्रियों के कौन से रूप दिखाई देते हैं ? बताइए। 2

(iv) बालक के मन में ईश्वर के अस्तित्व को लेकर किस प्रकार की सीख बैठ जाती होगी ? कल्पना से लिखिए। 2

(v) चने के पौधे का वर्णन 'चंद्र गहना से लौटती बेर' कविता में किस रूप में किया गया है ? 2

12 "भाग्यवान आए खाते वक्त" कथन से किस भारतीय संस्कृति का परिचय मिलता है, तथा इससे हमें क्या शिक्षा मिलती है ? 5

खण्ड - ब

(लेखन)

दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए-

13 (i) **दिल्ली मैट्रो में सवारी :** 10

- भूमिकास्टेशन पहुंचना
- टोकन लेना
- ट्रेन में अनुभव
- आरामदायक यात्रा

- उपसंहार

10

(ii) **मँहगाई कहां से आई :**

- भूमिका
- मँहगाई के कारण
- मँहगाई के परिणाम
- मँहगाई नियंत्रण के उपाय
- उपसंहार

10

(iii) **लड़का-लड़की एक समान, मिलकर बनाएँ देश महान :**

(1) भूमिका
(2) लड़का-लड़की समाज के पूरक
(3) लड़की नहीं रही अबला
(4) आधुनिक विचारधारा
(5) उपसंहार

14 आप जयंत गर्ग बस स्टैंड पर खड़े हैं। वहाँ कुछ महिलाएँ भी बस की प्रतीक्षा कर रही हैं। तभी कुछ मोटर साईकिल सवार एक महिला का पर्स और चेन छीन कर भाग जाते हैं। इस घटना का वर्णन तथा बढ़ते अपराधों पर चिंता प्रकट करते हुए किसी हिंदी के दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए और व्यवहारिक समाधान भी सुझाइये। 5

15 आपकी कक्षा के बच्चों ने पास की ही गरीब बस्ती में जाकर पुराने कपड़े और पुस्तकें बाँटी। अपनी स्कूल पत्रिका के लिए इस पर आधारित प्रतिवेदन तैयार कीजिए। 5

खंड -ङ

(मुक्त पाठ)

(*कृपया सुनिश्चित करें कि इस विषय का मुक्त पाठ इस प्रश्न पत्र के साथ उपलब्ध है)

16 ***विषय : बाल मजदूरी (5+5)**

(a) 2010 में नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के द्वारा उपलब्ध कराए गए आँकड़ों के आधार पर उन चार राज्यों क

उल्लेख कीजिए जहाँ बाल अपराध का प्रतिशत सबसे अधिक है। इन राज्यों की साक्षरता दर के साथ इसका मिलान कीजिए और प्राप्त निष्कर्षों का उल्लेख कीजिए।

(b) पाई चार्ट 1.3 में बालश्रमिकों के विविध व्यवसायों में लगे होने का अध्ययन-विश्लेषण करके उन व्यवसायों को चुनिए जो बच्चों के माता-पिता के निजी व्यवसाय भी हो सकते हों। इस तथ्य को ध्यान में रखकर उन सुझावों से अवगत कराइए जिनसे बच्चे पैतृक व्यवसाय में रत रहने पर भी शिक्षा से वंचित न रहें।

... three embryonic germ layers and is acoelo

JSUNIL TUTORIAL